697

SA-01

June - Examination 2018

B.A. Pt. I Examination

Natak, Katha, Sahitya, Chhand Evam Alankar

नाटक, कथा साहित्य, छन्द एवं अलंकार

Paper - SA-01

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 100**

निर्देश : यह प्रश्नपत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड – अ **$10 \times 2 = 20$**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1) (i) वासवदत्ता के जलने की दुर्घटना किस ग्राम में घटित हुई?

(ii) पद्मावती के लिए पहले कहाँ से विवाह प्रस्ताव आया था?

(iii) वासवदत्ता ने पद्मावती की विवाहमाला में कौन सी औषधि गूंथी थी?

(iv) वासवदत्ता की जन्मदात्री माँ का क्या नाम था?

(v) हितोपदेश के प्रथम भाग का क्या नाम है?

(vi) वंशस्थ छन्द का लक्षण बताइये।

(vii) रूपक अलंकार का क्या लक्षण है?

(viii) वसन्ततिलका छन्द का क्या लक्षण है?

(ix) नीतिकथा–साहित्य के दो प्रसिद्ध ग्रन्थों के नाम बताइये। (हितोपदेश के अतिरिक्त)

(x) वासवदत्ता की धाय माँ का क्या नाम था?

खण्ड – ब **$4 \times 10 = 40$**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 200 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।

2) किसी एक श्लोक की हिन्दी में सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

(i) पूर्वं त्वयाप्यभिमतं गतमेवमासीच्छलाघ्यं गमिष्यसि पुनर्विजयेन भर्तुः।
कालक्रमेण जगतः परिवर्तमाना चक्रारपङ्क्तरिव गच्छति भाग्यपङ्क्तः।

(ii) ऋज्वायतां च विरलां च नतोन्नतां च
सप्तर्षिवंशकुटिलां च निवर्तनेषु।
निर्मुच्यमानभुजगोदर निर्मलस्य
सीममिवाम्बरतलस्य विभज्यमानाम्।।

3) वासवदत्ता की चारित्रिक विशेषताएं बताइए।

4) दो सूक्तियों की हिन्दी में व्याख्या कीजिए।

   (i) तपोवनानि नाम अतिथिजनस्य स्वगेहम्।

   (ii) सर्वजनमनोऽभिरामं खलुसौभाग्यं नाम।

   (iii) अनतिक्रमणीयो हि विधिः।

   (iv) परस्परगता लोके दृश्यते तुल्यरूपता।

5) निम्नलिखित छन्दों के लक्षण तथा उदाहरण लिखिए।

   (i) अनुष्टुप्

   (ii) हरिणी

6) 'स्वप्नवासवदत्तम्' नाम का क्या अर्थ है? इस नामकरण का कारण बताइए।

7) हितोपदेश के आधार पर संस्कृत–नीतिकथा–साहित्य की प्रमुख विशेषताएं बताइए।

8) जरद्गव गृध्र व मार्जार की कथा का सारांश बताते हुए उससे प्राप्त शिक्षा का उल्लेख कीजिए।

9) किन्हीं दो अलंकारों के लक्षण तथा उदाहरण बताइए।

   (i) यमक

   (ii) उत्प्रेक्षा

   (iii) अतिशयोक्ति

   (iv) अर्थान्तरन्यास

खण्ड – स **$2 \times 20 = 40$**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप को अपने उत्तर को अधिकतम 500 शब्दों में परिसीमित करना है। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

10) किन्हीं दो पद्यों की हिन्दी में सप्रसंग व्याख्या किजिए।

(i) काच: काञ्चनसंसर्गात् धत्ते मारकतीं द्युतिं।
तथा सत्सन्निधानेन मूर्खो याति प्रवीणताम्।।

(ii) प्राणा यथात्मनोऽभीष्टा भूतानामपि ते तथा।
आत्मोपम्येन भूतेषु दयां कुर्वन्ति साधव:।।

(iii) विपदि धैर्यमथाभ्युदये क्षमा,
सदसि वाक्पटुता युधि विक्रम:।
यशसि चाभिरूचि: व्यसनं श्रुतौ
प्रकृतिसिद्धमिदं हि महात्मनाम्।।

(iv) सुहृदां हितकामानां य:श्रृणोति न भाषितम्।
विपत् सन्निहिता तस्य, स नर: शत्रुनन्दन:।।

11) नाटक के रूप में 'स्वप्नवासवदत्तम्' की समीक्षा कीजिए।

12) भास के नाटकों की प्रमुख विशेषताएँ बताइए।

13) चूडाकर्ण सन्यासी व हिरण्यक चूहे तथा चित्रग्रीव कपोत व हिरण्यक चूहे की कथाओं का सार लिखकर उनसे प्राप्त होनेवाली शिक्षा भी बताइए।

———